PAPER-III
HISTORY

Signature and Name of Invigilator

1. (Signature) _____
   (Name) _____
2. (Signature) _____
   (Name) _____

Roll No. | | | | | | | | |
(In figures as per admission card)

Roll No._____
(In words)

D 0 6 1 0

Time : **2 1/2** hours] [Maximum Marks : **200**

Number of Pages in this Booklet : **32** Number of Questions in this Booklet : **19**

Instructions for the Candidates

1. Write your roll number in the space provided on the top of this page.
2. Answer to short answer/essay type questions are to be given in the space provided below each question or after the questions in the Test Booklet itself.

   No Additional Sheets are to be used.
3. At the commencement of examination, the question booklet will be given to you. In the first 5 minutes, you are requested to open the booklet and compulsorily examine it as below :
   (i) To have access to the Question Booklet, tear off the paper seal on the edge of this cover page. Do not accept a booklet without sticker-seal and do not accept an open booklet.
   (ii) **Tally the number of pages and number of questions in the booklet with the information printed on the cover page. Faulty booklets due to pages/questions missing or duplicate or not in serial order or any other discrepancy should be got replaced immediately by a correct booklet from the invigilator within the period of 5 minutes. Afterwards, neither the Question Booklet will be replaced nor any extra time will be given.**
4. Read instructions given inside carefully.
5. One page is attached for Rough Work at the end of the booklet before the Evaluation Sheet.
6. If you write your name or put any mark on any part of the Answer Sheet, except for the space allotted for the relevant entries, which may disclose your identity, you will render yourself liable to disqualification.
7. You have to return the test booklet to the invigilators at the end of the examination compulsorily and must not carry it with you outside the Examination Hall.
8. **Use only Blue/Black Ball point pen.**
9. **Use of any calculator or log table etc., is prohibited.**

परीक्षार्थियों के लिए निर्देश

1. पहले पृष्ठ के ऊपर नियत स्थान पर अपना रोल नम्बर लिखिए ।
2. लघु प्रश्न तथा निबंध प्रकार के प्रश्नों के उत्तर, प्रत्येक प्रश्न के नीचे या प्रश्नों के बाद में दिये हुए रिक्त स्थान पर ही लिखिये ।

   इसके लिए कोई अतिरिक्त कागज का उपयोग नहीं करना है ।
3. परीक्षा प्रारम्भ होने पर, प्रश्न-पुस्तिका आपको दे दी जायेगी । पहले पाँच मिनट आपको प्रश्न-पुस्तिका खोलने तथा उसकी निम्नलिखित जाँच के लिए दिये जायेंगे, जिसकी जाँच आपको अवश्य करनी है :
   (i) प्रश्न-पुस्तिका खोलने के लिए उसके कवर पेज पर लगी कागज की सील को फाड़ लें । खुली हुई या बिना स्टीकर-सील की पुस्तिका स्वीकार न करें ।
   (ii) कवर पृष्ठ पर छपे निर्देशानुसार प्रश्न-पुस्तिका के पृष्ठ तथा प्रश्नों की संख्या को अच्छी तरह चैक कर लें कि ये पूरे हैं । दोषपूर्ण पुस्तिका जिनमें पृष्ठ/प्रश्न कम हों या दुबारा आ गये हों या सीरियल में न हों अर्थात किसी भी प्रकार की त्रुटिपूर्ण पुस्तिका स्वीकार न करें तथा उसी समय उसे लौटाकर उसके स्थान पर दूसरी सही प्रश्न-पुस्तिका ले लें । इसके लिए आपको पाँच मिनट दिये जायेंगे । उसके बाद न तो आपकी प्रश्न-पुस्तिका वापस ली जायेगी और न ही आपको अतिरिक्त समय दिया जायेगा ।
4. अन्दर दिये गये निर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़ें ।
5. उत्तर-पुस्तिका के अन्त में कच्चा काम (Rough Work) करने के लिए मूल्यांकन शीट से पहले एक पृष्ठ दिया हुआ है ।
6. यदि आप उत्तर-पुस्तिका पर अपना नाम या ऐसा कोई भी निशान जिससे आपकी पहचान हो सके, किसी भी भाग पर दर्शाते या अंकित करते हैं तो परीक्षा के लिये अयोग्य घोषित कर दिये जायेंगे ।
7. आपको परीक्षा समाप्त होने पर उत्तर-पुस्तिका निरीक्षक महोदय को लौटाना आवश्यक है और इसे परीक्षा समाप्ति के बाद अपने साथ परीक्षा भवन से बाहर न लेकर जायें ।
8. केवल नीले/काले बाल प्वाईंट पेन का ही इस्तेमाल करें ।
9. किसी भी प्रकार का संगणक (कैलकुलेटर) या लाग टेबल आदि का प्रयोग वर्जित है ।

HISTORY
इतिहास

PAPER–III
प्रश्नपत्र–III

Note : This paper is of **two hundred (200)** marks containing **four (4)** sections. Candidates are required to attempt the questions contained in these sections according to the detailed instructions given therein.

नोट : यह प्रश्नपत्र **दो सौ (200)** अंकों का है एवं इसमें **चार (4)** खंड हैं । अभ्यर्थियों को इनमें समाहित प्रश्नों के उत्तर अलग दिये गये विस्तृत निर्देशों के अनुसार देना है ।

SECTION – I

खंड – I

Note : This section consist of **two** essay type questions of **twenty (20)** marks each, to be answered in about **five hundred (500)** words each. **(2 × 20 = 40 marks)**

नोट : इस खंड में **बीस–बीस** अंकों के **दो** निबन्धात्मक प्रश्न हैं । प्रत्येक का उत्तर लगभग **पाँच सौ (500)** शब्दों में अपेक्षित है । **(2 × 20 = 40 अंक)**

1. Explain the significance of copper technology and semi arid conditions in the developments.
भारत में प्रथम नगरीकरण के विकास में ताम्र तकनीक और अर्धशुष्क परिस्थितियों के महत्त्व को स्पष्ट कीजिए ।

OR / अथवा

Discuss the pattern of urban growth in medieval India.
मध्यकालीन भारत में नगरीय विकास के प्रतिरूप की व्याख्या कीजिए ।

OR / अथवा

Examine the nature of Indian Nationalism with special reference to the character of its leadership in the period between 1928 and 1947.
भारतीय राष्ट्रवाद की उसके नेतृत्व के चरित्रगत स्वरूप के विशेष सन्दर्भ में 1928 और 1947 के बीच के काल का परीक्षण कीजिए ।

2. Examine the role of iron technology in the development of second urbanization in the Ganga plain.
गंगा के मैदान में द्वितीय नगरीकरण के विकास में लोह तकनीक की भूमिका का परीक्षण कीजिए ।

OR / अथवा

Was the eighteenth century a century of decline or dynamism ?
क्या भारतवर्ष में अठारहवीं शताब्दी ह्रास अथवा प्रगति की शताब्दी थी ?

OR / अथवा

'Lord Mountbatten came with an order to organise retreat in military parlance – an operation.' Discuss.
लॉर्ड माउण्टबैटेन आये थे प्रतिसरण के आयोजन हेतु सैनिक वाक्यव्यवहार में कहें – कार्यवाही के आदेश के साथ । व्याख्या कीजिए ।

SECTION – II
खंड – II

Note : This section contains **three (3)** questions from each of the electives/specializations. The candidate has to choose only one elective/specialization and answer all the three questions from it. Each question carries **fifteen (15)** marks and is to be answered in about **three hundred (300)** words. **(3 × 15 = 45 marks)**

नोट : इस खण्ड में प्रत्येक ऐच्छिक इकाई/विशेषज्ञता से **तीन (3)** प्रश्न हैं । अभ्यर्थी को केवल **एक** ऐच्छिक इकाई/विशेषज्ञता को चुनकर उसी के **तीनों** प्रश्नों का उत्तर देना है । प्रत्येक प्रश्न **पन्द्रह (15)** अंकों का है व उसका उत्तर लगभग **तीन सौ (300)** शब्दों में अपेक्षित है । **(3 × 15 = 45 अंक)**

Elective – I / विकल्प – I

3. Explain the main economic trends of the post Gupta period.
गुप्तोत्तर काल की प्रमुख आर्थिक प्रवृत्तियों को स्पष्ट कीजिए ।

4. Outline the process of State formation in South India.
दक्षिण भारत में राज्य के गठन की प्रक्रिया को रेखांकित कीजिए ।

5. Underline the dynamics of Gupta and Vakatak relations.
गुप्तों और वाकाटकों के सम्बन्धों की गत्यात्मकता को रेखांकित कीजिए ।

OR / अथवा

Elective – II / विकल्प – II

3. Vijayanagara State has been defined variously as "Asiatic State", "Feudal State", "War State" or "Segmentary State". How would you characterize it ?
विजयनगर राज्य का चित्रण विभिन्न प्रकार से किया गया है, जैसे 'एशियाटिक राज्य', 'सामंत राज्य', 'युद्धरत राज्य' या 'विखंडित राज्य' । आप विजयनगर राज्य को किस प्रकार परिभाषित करेंगे ?

4. Would you agree with the view that the rural economy in medieval India was relatively self sufficient ?
क्या आप इस मत से सहमत हैं कि मध्यकालीन भारत में ग्रामीण अर्थव्यवस्था सापेक्षिक रूप से आत्मनिर्भर थी ?

5. Discuss the factors which determined the Deccan Policy of Aurangzeb.
औरंगज़ेब की दक्षिण नीति को निर्धारित करने वाले कारकों की विवेचना कीजिये ।

OR / अथवा

Elective – III / विकल्प – III

3. Plassey was a great betrayal. Examine.
प्लासी एक बड़ा भारी विश्वासघात था । परीक्षण कीजिए ।

4. What was meant by the Commercialization of Agriculture in the 19th Century ?
उन्नीसवीं शताब्दी में कृषि के वाणिज्यीकरण के क्या अर्थ थे ?

5. Cripp's proposal opened the door for the possibility of an indefinite number of partitions.
क्रिप्स के प्रस्ताव ने अनिश्चित संख्या में देश के विभाजन की संभावना के लिए द्वार खोल दिया था । व्याख्या कीजिए ।

SECTION – III
खंड – III

Note : This section contains **nine (9)** questions of **ten (10)** marks, each to be answered in about **fifty (50)** words. **(9 × 10 = 90 Marks)**

नोट : इस खंड में **दस-दस (10-10)** अंकों के **नौ (9)** प्रश्न हैं । प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग **पचास (50)** शब्दों में अपेक्षित है । **(9 × 10 = 90 अंक)**

6. Assess the importance of archaeological data for writing ancient Indian history.
प्राचीन भारतीय इतिहास लेखन के लिए पुरातात्त्विक तथ्यों के महत्त्व का आकलन कीजिए ।

7. Write on the changing position of women during the Vedic period.
वैदिक काल में स्त्रियों की परिवर्तनशील स्थिति पर लिखिए ।

8. Bring out the main features of the Vesara style of temples.
वेसर शैली के मन्दिरों की मुख्य विशेषताओं को बताइए ।

9. Ziauddin Barani and Abul Fazl have both conceptualised sovereignty. What distinguishes the two ?
ज़ियाउद्दीन बरनी एवं अबुल फजल दोनों ने संप्रभुता की परिकल्पना की है । दोनों के विचारों में क्या अंतर है ?

10. Is there any difference between iqta and jagir ?
क्या इक्ता और जागीर में कोई अंतर है ?

11. What was Babar's justification for conquest of Indian territories ?
बाबर ने किस प्रकार अपनी भारतीय क्षेत्रों की विजय को उचित ठहराया ?

12. Comment on the ideological difference between the moderate and extremist factions.
मध्यमार्गी और उग्रवादी गुटों के मध्य विचारधारा सम्बन्धी अन्तर पर टिप्पणी कीजिए ।

13. Explain the ideologies and programmes of the Justice Party.
जस्टिस पार्टी की विचारधारा और कार्यक्रम को बताइए ।

14. 'The ideal of objectivity in history is a relative concept.' Explain.
'इतिहास में वस्तुनिष्ठता एक सापेक्ष अवधारणा है।' स्पष्ट कीजिए ।

SECTION – IV
खंड – IV

Note : This section contains **five (5)** questions of **five (5)** marks each based on the following passage. Each question should be answered in about **thirty (30)** words.

(5 × 5 = 25 Marks)

नोट : इस खंड में निम्नलिखित परिच्छेद पर आधारित **पाँच (5)** प्रश्न हैं । प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग **तीस (30)** शब्दों में अपेक्षित है । प्रत्येक प्रश्न **पाँच (5)** अंकों का है । **(5 × 5 = 25 अंक)**

Note : Read the passage given below and answer the question numbers **15** to **19.** Each answer should not be in more than **30** words. Each question carries **5 (five)** marks.

The political picture is relatively clear, with the empire of the Mauryas covering a large part of the subcontinent, the focus being control by a single power. Attempts were made to give the political system a degree of uniformity, and historical generalization can be made with more confidence for this period than in earlier centuries. Inevitably, in an imperial system, there were attempts to draw together the ends of the empire, to encourage the movement of peoples and goods and to explore the possibilities of communication at various levels. These included the use of a

script, of punch-marked coins in exchange transactions and the projection of a new ideology, intended to pursue new precepts.

In the typologies of States, kingdoms differ from empires. Kingdoms tend to draw the maximum profit from existing resources and therefore do not make too great an attempt at restructuring access to resources. The pressures on an empire and its requirements are of a different order, so meeting the financial needs of administering an empire requires considerable restructuring wherever there is a potential for obtaining revenue. An imperial system is not static and has continually to adjust to demands and resources. Although they rarely succeed, imperial systems attempt to erase variation in favour of homogeneity. The variations are cultural and economic. Cultural homogeneity is often sought by propagating a new ideology, in this case the *dhamma* of Ashoka. Not every part of the empire has the same resources, nor is their utilization identical, therefore some degree of economic restructuring also becomes necessary. The restructuring tends to be limited to those resources thought to have the maximum potential. The restructuring in the Mauryan Empire was attempted through both the extension of agriculture, together with mobility of labour in some instances, and the introduction of more wide-reaching commercial exchange.

नोट : निम्नलिखित गद्यांश को पढ़िए और प्रश्न संख्या **15** से **19** तक का उत्तर दीजिए । प्रत्येक उत्तर में **तीस (30)** से अधिक शब्द नहीं हों । प्रत्येक प्रश्न के **पाँच (5)** अंक हैं ।

उपमहाद्वीप के एक बड़े हिस्से पर मौर्य साम्राज्य के विस्तार, एक ही सत्ता के नियन्त्रण से राजनैतिक तस्वीर सापेक्षिक रूप से स्पष्ट हो जाती है । राजनैतिक व्यवस्था को एक हद तक समरूपता देने के प्रयास किए गए और इसलिए इस काल के लिए ऐतिहासिक सामान्यीकरण अधिक विश्वसनीय ढंग से करना सम्भव है । अवश्यंभावी तौर पर, एक साम्राज्यवादी व्यवस्था में, साम्राज्य के विभिन्न अंगों को जोड़ने व वस्तुओं के आवागमन को बढ़ावा देने और लोगों में विभिन्न स्तरों पर संचार की सम्भावनाओं को तलाशने के प्रयत्न किए गए थे । इनमें लिपि, विनिमय के लिए आहत सिक्कों और नए उपदेशों के अनुकरण के उद्देश्य से एक नवीन विचारधारा के प्रक्षेपण के प्रयास शामिल हैं ।

राज्य के प्रारूपों में राज साम्राज्य से भिन्न है । राज में उपलब्ध स्रोतों से अधिकतम लाभ कमाने की प्रवृत्ति होती है और संसाधनों तक पहुँचने के तरीकों के लिए कोई बहुत बड़ा प्रयास नहीं होता है । एक साम्राज्य पर इसके दबाव और आवश्यकताएँ अलग ही तरीके के होते हैं । इसलिए साम्राज्य को प्रशासित करने की आर्थिक आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए जहाँ कहीं राजस्व प्राप्त करने की सम्भावना होती है, इसके पुनर्गठन की काफी हद तक जरूरत होती है । एक साम्राज्यवादी व्यवस्था स्थिर नहीं होती है और इसे निरन्तर माँगों और संसाधनों के अनुरूप ढालना पड़ता है । साम्राज्यवादी व्यवस्थाएँ समरूपता के हित में विविधताओं को मिटाने का प्रयास करती हैं, हालाँकि ये शायद ही सफल होती हैं । ये विभिन्नताएँ सांस्कृतिक और आर्थिक होती हैं, सांस्कृतिक समरूपता स्थापन एक नई विचारधारा के प्रचार से भी होता है, जैसे अशोक का धम्म । साम्राज्य के प्रत्येक भाग में न तो संसाधन एक समान होते हैं और न ही उनका उपयोग एक समान होता है, इसीलिए कुछ हद तक आर्थिक पुन:संरचना की आवश्यकता हो जाती है । ये उन्हीं संसाधनों तक सीमित हो जाती है जिससे लगता है कि अधिकतम प्रच्छन्न अंतशक्ति है । मौर्य साम्राज्य में कुछेक मामलों में श्रम की गतिशीलता के साथ-साथ कृषि के विस्तार और अतिव्यापक दूरगामी वाणिज्यिक विनिमय की शुरुआत के जरिये पुन:संरचना की चेष्टा की गई थी ।

15. How the author describes the emergence of the Mauryan Empire ?
लेखक ने मौर्य साम्राज्य के उद्‌भव की क्या व्याख्या की है ?

16. What attempts were made by the Mauryans to integrate the Empire ?
मौर्यों द्वारा अपने साम्राज्य का समन्वय करने के लिये क्या प्रयास किये गये ?

17. How the author differentiates between Kingdoms and Empires ?
लेखक ने किस प्रकार राज्यों एवं साम्राज्यों में विभेद किया है ?

18. What is the author's view on the nature of empire and how it adjusted to meet the situation ?
लेखक का साम्राज्य के स्वरूप के बारे में क्या विचार है एवं परिस्थितियों से किस प्रकार सामंजस्य स्थापित किया ?

19. Did the Mauryans initiate any measures for economic restructuring of the Empire ?
मौर्यों ने साम्राज्य की आर्थिक पुन:संरचना के लिये क्या कदम उठाए ?

Space For Rough Work

FOR OFFICE USE ONLY	
Marks Obtained	
Question Number	Marks Obtained
1	
2	
3	
4	
5	
6	
7	
8	
9	
10	
11	
12	
13	
14	
15	
16	
17	
18	
19	

Total Marks Obtained (in words) .....

(in figures) .....

Signature & Name of the Coordinator .....

(Evaluation) Date .....